# HRA an Usiya The Gazette of India

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 250] No. 250] नई विल्ली, बृहस्पितवार, जुलाई 11, 1991/आषाद 20, 1913 NEW DELHI, THURSDAY, JULY 11, 1991/ASADHA 20, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती ही जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में इ.स. जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित मंत्रालय (मार्षिक कार्य विभाग) (बीमा प्रभाग) मधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 1991

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 मौर वर्ग 4 कर्मचारी (सेवाके निवन्त्रनों भौर गर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1991

सा.का. नि. 338(भ्र):——केन्द्रीय सरकार जीवन बीमा निगम इस्तिनियम, 1956 (1956 का 31)की धारा 48 द्वारा प्रवक्त समितयों का प्रयोग करते द्वुए भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 भौर वर्ग 4 कर्मभारी (सेवा के निबन्धमीं भीर खतों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का संशोधन करने के लिए निस्नलिखित नियम बनाती है भर्णात्:——

संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागृ होना :--

 इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 भीर वर्ग 4 कर्मचारी (सेवाके निवन्धनों भीर मतीं का पुनरीक्षण) संगोधन नियम, 1991 है।

- 2. भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 भीर वर्ग 4 कर्मजारी (सेवा के निवन्धनों भीर शतों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 19क के उपनियम (2) के स्थान पर निम्निलिखित रखा जाएगा, भर्थात्; "2. सहायक या चांजुलिपिक के बेतनमान में ऐसे किसी कर्मजारी की जिसे स्नातक होने के कारण 1 भप्रैल, 1989 के ठीक पूर्व से ही बेतनवृद्धियां मिल रही हों भीर जिसने नियम 4 के उपनियम (1) में निर्दिष्ट बेतनमान का भिष्ठकतम प्राप्त कर लिया हो, स्नातक भता संबक्त किया जाएगा, ——
  - (क) जहां ऐसे कर्मचारी ने 1 ध्रप्रैल, 1988 को या उससे पूर्व नियम 4 के उपनियम (1) में निर्दिष्ट वैतनमान का ध्रधिकतम तम प्राप्त कर लिया हो और उसे लागू वैतनमान का ध्रधिकतम प्राप्त करने के पण्वात् सेवा का एक वर्ष पूरा कर लिया हो तो 1 ध्रप्रैल, 1989 से ही 65/- रुपए प्रतिमास की रकम और एक वर्ष की और ध्रधिक सेवा के पण्वात् 65/- रुपए प्रतिमास के उक्त स्नातक भन्ने की बढ़ा कर 130/- रुपए प्रतिमास के उक्त स्नातक भन्ने की बढ़ा कर 130/- रुपए प्रतिमास कर दिया जाएगा।
  - (ख) जहां ऐसे कर्मचारी ने 1 अपरैल, 1988 के पश्चात् नियम 4 के उपनियम (1) में निर्विष्ट वेतनमान का अधिकतम प्राप्त कर

लिया हो तो उस तारीख से सेवा का एक वर्ष पूरा होने के ध्रमले मास के प्रथम दिन से 65/- रुपए प्रतिमान की रकस और एक वर्ष की धौर ध्रिक सेवा के परचात् 65/- रुपए प्रतिमास के उक्त स्नातक धनों को बढ़ा कर 130/- रुपए प्रतिमास कर दिया जाएगा।";

- 3. उक्त नियमों के नियम 19क के उपनियम (1) के खंट (क) में "1 जुलाई, 1990 के परनात्" संकों और मन्दों के स्थान पर "1 जुलाई, 1990 की या उसके परनात्" संक सौर मन्दों से रखें आएंगे।
  - 4. उक्त जियमों के नियम 19ख के उपविषक्त (3) में,--
  - (i) "1 जुलाई, 1990 के पश्चात्" श्रंकों श्रीर शब्दों के स्थान पर "1 जुलाई, 1990 को या उनके पश्चात्" श्रंक श्रीर शब्द रखें जाएंगे।
  - (ii) विद्यमान परन्तुक के स्थान पर निम्निलिखित परन्तुक रखा जाएगा, श्रथित् :---

"परन्तु 65/- रुपए प्रतिमास के उक्त स्नानक भन्ते को, उसे खायू वितनमान का ग्रधिकतम प्राप्त करने के परनात् सेवा के यो वर्ष पूरे होने के ग्रगले मान के प्रथम दिन ने ही, बढ़ाकर 130/- रुपए प्रतिमास कर दिया जाएगा"।

[फा. मं. 2(1) बीमा-III/90]

# स्पटीका रह कापन

केन्द्रीय सरकार ने नियमों में उठिविश्वत तारीओं से भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मवारियों के सेवा के निबन्धनों भीर जातों का पुनरीक्षण करने के लिए प्रनुभावन कर दिया है। तदनुनार भारतीय जीवन बीमा निगम दर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 कर्मवारी (सेवा के निबन्धनों ग्रीर णतों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 को इन नियमों में उठिवश्वित नारीय से मंगो- कित किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम के किसी कर्मचारी पर अधिसूचना को भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने से प्रतिकृष प्रभाव पक्षने की संभावना नहीं है।

पाद टिप्पणी: — मूल नियम शा.का कि 357 (अ) विनाक 11-4-85 द्वारा प्रकाशित किये गए थे। तदपश्चात् निम्मलिखित द्वारा संशोधित किए गए:—

सा.का.नि. 18 (प्र) विनाक 7-1-1986

सा.का नि. 1076 (म) विनोक 11-9-1986

सा.का.नि. 961 (मे) दिनाक 7-12-1987

सा का नि. 870 (भ) विनोक 22-8-1988

सा.का नि. 873 (प) विनोक 22-8-1988

सा.का नि. 515 (म) विवाक 12~5-1989

सा.का नि. 509 (घ) विनोक 24-5-1990

सा.का नि. 620 (भ) दिनकि 6-7-1990

सा.का नि. 628 (म) वित्तांक 10-7-1990

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)
INSURANCE DIVISION
NOTIFICATIONS

New Delhi, the 11th July, 1991

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III AND CLASS IV EMPLOYEES (REVI-SION OF TERMS AND CONDITIONS SERVICE) AMENDMENT RULES, 1991

G.S.R. 338 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government bereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class

IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely:—

#### Short Title and Commencement:

- 1. These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of terms and conditions of service) Amendment Rules, 1991.
- 2. In rule 19A of the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 (hereinafter referred to as the said Rules), for subrule (2) the following shall be substituted, namely:—
  - "2. An employee in the scale of pay of Assistant or Stenographer who was in receipt of graduation increments immediately prior to 1st day of April, 1989, and had reached the maximum of scale of pay referred to in sub-rule (1) of rule 4, shall be paid graduation allowance,—
    - (a) Where such employee has reached the maximum of scale of pay referred to in sub-rule (1) of rule 4, on or before the 1st day of April, 1988, and has completed one year of service after reaching the maximum of scale of pay applicable to him, on and from the 1st day of April, 1989, of an amount of rupees 65|- per month and after a further service of one year the said graduation allowance of rupees 65|- per month shall be increased to rupees 180|- per month.
    - (b) Where such employee has reached the maximum of scale of pay referred to in sub-rule (1) of rule 4, on any day after the 1st day of April, 1988, then, on and from the 1st day of the month following the completion of one year of service from that day, of an amount of rupees 65|- per month and after a further service of one year the said graduation allowance of rupees 65|- shall be increased to rupees 180|- per month.";
- 3. In clause (a) of sub-rule (1) of Rule 19B of said Rule for the words and figures "after first day of July 1990" the words and figures "on or after first day of July 1990" shall be substituted.
- 4. In sub-rule (3) of rule 19B of the said Rules,—
  - (i) for the words and figures "after the 1st day of July, 1990" the words and figures "on or after the 1st day of July, 1990" shall be substituted;
  - (ii) for the existing proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—
    - "Provided that the said graduation allowance of rupees 65|- per month shall be increased to rupees 180|- per month, on and from the 1st day of the month following the completion of two years of service after reaching such maximum of the scale of pay applicable to him".

[F. No. 2(1) | 1ns. III | 90]

## EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise the terms and conditions of service of employees of Life Insurance Corporation of India with effect from the dates mentioned in the rules. The Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 are being amended accordingly with effect from the dates mentioned in these rules.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

Foot Note: The Principal rules were published under Notification No. GSR 357 (E) dated 11-4-1985 subsequently amended by Notification Nos. GSR 18(E) dated 7-1-1986, GSR 1076 (E) dated 11-9-1986, GSR 961 (E) dated 7-12-87, GSRs 870(E) and 873(E) both dated 22-8-1988, GSR 515 (E) dated 12-5-89 and GSR 509 (E) dated 24-5-1990, GSR 620 (E) dated 6-7-1990 and GSR 628 (E) dated 10-7-1990.

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्गे 3 कर्मचारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भता) संगोधन नियम, 1991

सा.का.ति. 339(भ्र) :—केन्द्रीय सरकार जीवन बीमा निगम भिष्ठिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त मिनमों का प्रयोग करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 कर्मचारी (परीक्षा उतीर्ण करने के लिए विशेष भेता) नियम, 1988 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अपरित्:—

- 1. संक्षिप्त नाम, प्रारंग भीर लागू होना :---
  - (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन कीमा निगम वर्ग 3 कर्नेचारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष कता) संशोधन नियम, 1991 है।
  - (2) ये 1 जुलाई, 1990 की प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।
- भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 कर्नेचारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भता) नियम, 1988 के नियम 4 में,——
  - (i) "भ्रथवा भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 भीर वर्ग 4 कमंत्रारी (सेवा के निबन्धनों भीर गर्ती का पुनरीक्षण) नियम, 1985 के नियम 7 में निर्दिष्ट प्रथम बेतनवृद्धि प्राप्त कर चका ही" गब्दों भीर भंकों का लोग किया जाएगा।
  - (ii) उस नारीख से मंबंधित जिसमें ऐसा मत्ता संदेय है, सारणी के स्तंम (1) में विध्वमान कम संख्यांक (2) ग्रीर उससे संबंधित प्रविध्दियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, ग्रियांन्:---
- "(2) (क) जड़ां कर्ननारी ने 1 जुलाई, 1990 को या उसके पूर्व इसे लागू वेननमान का प्रधिकतम प्राप्त करने के प्रशासत् सेवा का एक वर्ष या प्रधिक पूरा कर लिया हो तो 1 जुलाई, 1991 सेही;

(क) कुट्टा लंगेकारी है । जुल्लाई, 1990 के परवात किसी तारीच को जुले आहू बैहानकान का अधिकत्रम अन्ति करने के परवात सेवा का एक वर्ष पूरा कर लिया हो, हो उस तारीख से सेका का एक वर्ष पूरा होने के भगते सास के प्रथम दिन से।"।

[फा. सं. 2(1) बीमा-III/90]

एम. कारान, संयुक्त सचिव

#### स्पष्टीकारक जाप्रन

केन्द्रीय सरकार ने, 1 जुलाई, 1990 से भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मजारियों को कृतिपय विनिद्धिट परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए दिए जा रहे विशेष मत्ते के संवाय के लिए नियमों का पुनरीक्षण करने के लिए मनुमोदन कर विधा है।

पाव टिप्पण: —मूल नियम सा.का.नि 491 (थ्र) दिनांक 22-4-1988 द्वारा प्रकाशित किए गए थे। तवपश्चात् निम्नतिश्वित द्वारा संशोधित किए गए:— सा.का.नि. 516 (अ) दिनांक 12-5-1989 सा.का.नि. 621 (अ) दिनांक 6-7-1990

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III EMPLOYEES (SPECIAL ALLOWANCE FOR PASSING EXAMINATION) AMENDMENT RULES, 1991

G.S.R. 339 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class III Employees (Special Allowance for passing Examination) Rules, 1988, namely:—

- 1. Short Title and Commencement: (1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III Employees (Special Allowance for passing Examination) Amendment Rules, 1991.
- (2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of July, 1990.
- 2. In rule 4 of the Life Insurance Corporation of India Class III Employees (Special Allowance for passing Examination) Rules, 1988,—
  - (i) the words and figure "or had drawn the first of the increments referred in rule 7" shall be omitted;
  - (ii) In Column (1) of the Table relating to date from which allowance is payable, for the existing serial number (2) and the entries relating thereto the following shall be substituted, namely:—

- "(2)(a) where the employee has on or before the 1st day of July, 1990 completed one year or more of service after reaching the maximum of the scale of pay applicable to him, then, on and from the 1st day of July, 1991;
- (b) where the employee has on a date after the 1st day of July, 1990, completed one year of service after reaching the maximum of the scale of pay applicable to him then from the 1st day of the month following the completion of one year of service from that date."

[F. No. 2 (1) |Ins. III |90]S. KANNAN, Jt. Secy.

# EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise the rules for payment of Special Allowance for passing certain specified examination being paid to the employees of the Life Insurance Corporation of India with effect from the 1st day of July, 1990.

Foot Note:—Principal rules were published under Notification No. GSR 491(E) dated 22-4-1988. Subsequently amended by Notification No. GSR 516(E) dated 12-5-1989 and GSR No. 621(E) dated 6-7-1990.